

घड़ियाली पुं. (देश.) समय की सूचना के लिए घंटा बजाने वाला व्यक्ति।

घड़ी स्त्री. (तद्.) 60 पल या 24 मिनट का कालमान, घटी, दंड, समय बताने वाला एक यंत्र 2. पानी, बिजली आदि की खर्च के परिमाण का सूचक यंत्र मुहा. घड़ी-घड़ी- बार-बार; घड़ी-तोला घड़ी-माशा- कभी कुछ कभी कुछ; घड़ी गिनना- प्रतीक्षा करना; घड़ी में घड़ियाल है- जिंदगी का कोई ठिकाना नहीं, न जाने कब काल आए 3. समय, काल 4. अवसर, उपयुक्त, समय 5. समय सूचक यंत्र।

घड़ी-दीया पुं. (तद्.) वह दीपक जो किसी के मर जाने पर घर में रखा जाता है और 10-12 दिनों तक रहता है, घड़े के पैंदे में छेद कर दिया जाता है, जिसमें से होकर बूँद-बूँद पानी टपकता है और घड़े के मुँह पर एक दीपक जलाकर रख दिया जाता है, इसे घंट भी कहते हैं।

घड़िसाज पुं. (हि. घड़ी+फा. साज) घड़ी की मरम्मत करनेवाला।

घड़िसाजी स्त्री. (तद्.+फा.) घड़ी की मरम्मत का कार्य।

घड़ोना पुं. (देश.) छोटा घड़ा, झंझर।

घड़ौंची स्त्री. (देश.) पानी से भरा घड़ा रखने की तिपाई या ऊँची जगह।

घढ़ पुं. (देश.) घाटी, तलहटी।

घणकठा पुं. (देश.) डिंगल के अनुसार एक लवैणा नामक छंद का एक भेद।

घतिया वि. (तद्.) घाती, धोखा देने वाला, विश्वासघाती।

घतियाना पुं. (तद्.) अपनी घात या दांव में लाना 2. चुराना, छिपाना।

घन पुं. (तत्.) 1. बादल, मेघ 2. लोहारों का बड़ा हथौड़ा जिससे वे गरम लोहा पीटते हैं।

घनकना पुं. (तद्.) घनकना, गरजना, तेज़ आवाज़ करना, धड़राना।

घनकारा वि. (तद्.) गर्जन करनेवाला, ऊँची आवाज़ करने वाला।

घनकोदंड पुं. (तत्.) इंद्रधनुष।

घनगरज पुं. (तत्+तद्.) बादल के गरजने की ध्वनि 2. कुरुरमुत्ता की तरह सब्जी वाला पौधा।

घनघटा स्त्री. (तत्.) बादलों का जमघट, गहरी काली घटा।

घनघनाना पुं. (अनु.) घन्-घन् शब्द होना, घंटे की-सी ध्वनि निकलने का भाव।

घनघनाहट स्त्री. (अनु.) घन्-घन् शब्द निकलने का भाव। घन्-घन् की ध्वनि।

घनघोर वि. (तत्.) बहुत घना, गहरा 2. जिसे देख और सुनकर जी दहल जाए, जिसका दर्शन और श्रवण भयानक हो, भीषण, भयावह जैसे- 'घनघोर युद्ध'।

घनचक्कर पुं. (तद्.) मूर्ख, बेवकूफ 2. निठल्ला, आवारागर्द।

घनता स्त्री. (तत्.) घना होने का भाव, घनापन 2. ठोसपन 3. दृढ़ता, मजबूती 4. लंबाई-चौड़ाई और मोटाई का समूह या भाव।

घनत्व पुं. (तत्.) 1. घना होने का भाव, घनापन, सघनता, अणुओं का परस्पर मिलान, ठोसपन, लंबाई-चौड़ाई और मोटाई का भाव।

घननाद पुं. (तत्.) बादलों की गर्जना 2. रावण, का पुत्र, मेघनाद।

घनपटल पुं. (तत्.) मेघाडंबर, बादलों का समूह या आवरण।

घनप्रिय पुं. (तत्.) मोर, मोर शिखा 2. एक घास जिसकी पत्तियाँ डंठल की ओर पतली और ऊपर की ओर चौड़ी होती हैं। यह पहाड़ों पर मिलती है और औषध के काम में आती है।

घनफल पुं. (तत्.) लम्बाई-चौड़ाई और मोटाई तीनों का गुणन फल 2. यह गुणनफल जो किसी संख्या को उसी संख्या से दो बार गुणा करने से प्राप्त हो।